सन्मार्ग

राम अवतार गुप्त उत्कृष्ट शिक्षा
शिक्षा
2
रविवार, 15 जून 2025

'देश को डॉक्टर - इंजीनियरों के साथ-साथ अच्छे खिलाड़ियों की भी जरूरत'

कोलकाता : हमारे देश को डॉक्टरों और इंजीनियरों के साथ-साथ अच्छे खिलाड़ियों की भी जरूरत है। जिस प्रकार हम पढ़ाई-लिखाई में कई देशों से आगे हैं, ठीक उसी प्रकार खेल में भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे रहने की आवश्यकता है। उक्त बातें पद्म भूषण विजेता और बैटमिंटन आईकॉन सायना नेहवाल ने कहीं। वे मंगलवार को न्यूटाउन स्कूल में आयोजित एनुअल प्राइज डे 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। इस दिन उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों के साथ विशेष सत्र को संबोधित किया।

इस दिन कार्यक्रम में कक्षा 10 और 12 के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनके उम्दा प्रदर्शन के लिए मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में स्कूल के पूर्व निदेशक सुनील अग्रवाल, प्रिंसिपल शताब्दी भट्टाचार्जी, शिवम अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, ममता सिंह, शर्मिष्ठा दे सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस दिन सायना नेहवाल ने अपने जन्मस्थल हरियाणा से लेकर ओलंपिक तक के सफर के बारे में छात्रों को बताया। उन्होंने बताया कि शुरुआत के समय में उन्हें किन-किन कठिनाइयों का समाना करना पड़ा और वह विश्व चैंपियन बनीं। सायना ने कहा कि मेरी सफलता के पीछे मेरे अभिभावकों का अहम योगदान है। मैं एक वैज्ञानिक की बेटी हूं लेकिन फिर भी मेरी मां ने मुझे एक खिलाड़ी बनाने का ख्वाब देखा था। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि मैंने खेलकूद के साथ-साथ पढ़ाई पर ध्यान दिया। ऐसा नहीं है कि मैं घंटों पढ़ती थी लेकिन जितना भी मैंने पढ़ा हमेशा ध्यान से पढ़ा। मैं अभिभावकों से भी कहूंगी कि कम उम्र में ही बच्चों के टैलेंट को पहचानें और उनका सपोर्ट करें। अपने स्वागत भाषण में स्कूल की प्रिंसिपल शताब्दी भट्टाचार्जी ने कहा कि जब सभी बच्चे स्कूल खेलकूद, फिल्म, सोशल मीडिया पर व्यस्त थे तब स्कूल के इन मेधावी छात्र-छात्राएं पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। शिक्षकों और अभिभावकों से अपने विषयों से संबंधित समस्याओं को सुलझा रहे थे। इसीलिए उन्हें इस मंच से सम्मानित किया जा रहा है। न केवल छात्र बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों ने भी इनकी सफलता के पीछे अपना अहम योगदान दिया है। इसके अलावा स्पोर्ट्स को लेकर प्रिंसिपल ने कहा कि हमारे स्कूल का लक्ष्य केवल बच्चों की पढ़ाई पर ही नहीं बल्कि उनके व्यक्तित्व का निर्माण करना भी है। हम चाहते हैं कि बच्चे जिस भी क्षेत्र में जाएं वहां सर्वश्रेष्ठ बनें चाहे वह कला हो, म्यूजिक हो या फिर स्पोर्ट्स। हम बच्चों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हैं ताकि उनकी कड़ी मेहनत व्यर्थ न जाए।

सायना नेहवाल ने न्यूटाउन स्कूल में छात्रों से की विशेष बातचीत